स्वर के भेद

डॉ. संतोष येरावार
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
देगलूर महाविद्यालय, देगलूर
जि. नांदेड़

❖ स्वर की परिभाषा :

जिन ध्वनियों के उच्चारण में मुख विवर से निकलने वाली हवा अबाध गति से बाहर निकलती है उन ध्वनियों को स्वर कहते हैं।

भाषा वैज्ञानिकों ने स्वरों की संख्या ग्यारह निर्धारित की है–
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ,,ऋ

विद्वानो का एक वर्ग ऋ को अब हिंदी वर्णमाला के अन्तर्गत नहीं रखता है।

❖ स्वर का वर्गीकरण :

सामान्यतः स्वरों का वर्गीकरण चार आधारों पर किया जाता है–

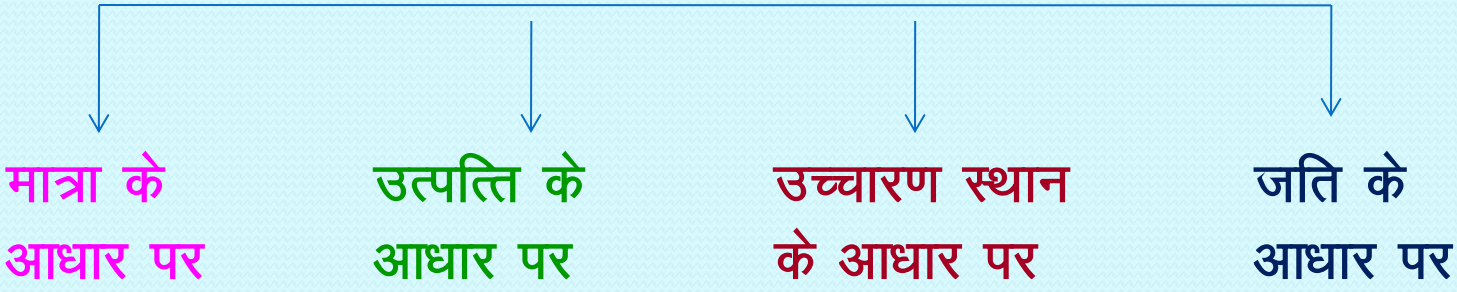

➢ मात्रा के आधार पर

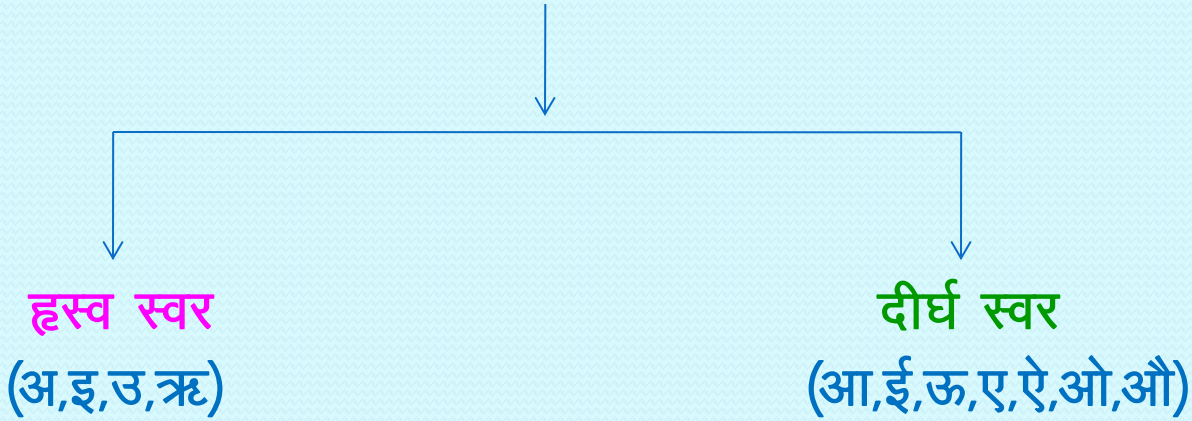

➢ उत्पत्ति के आधार पर

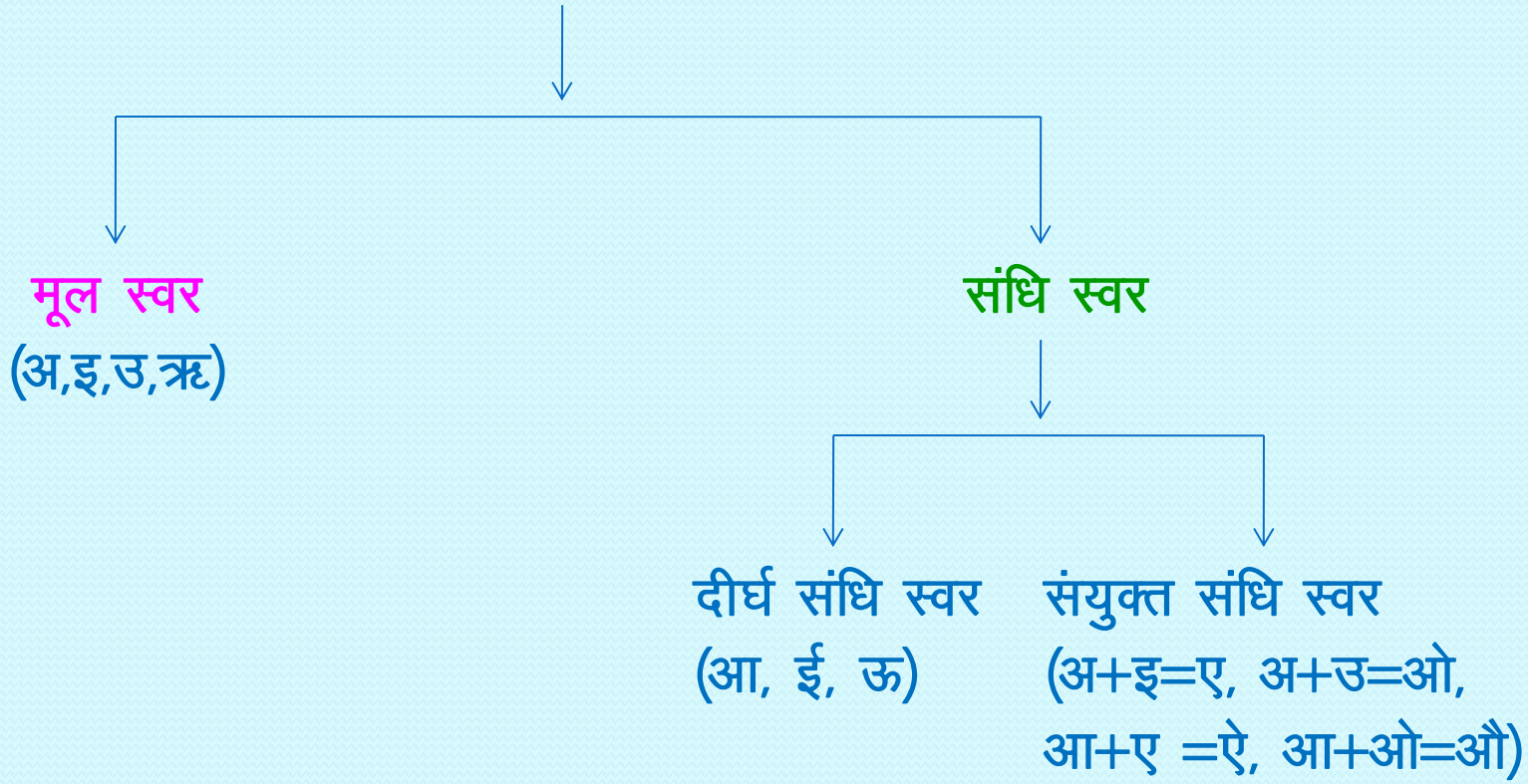

➢ उच्चारण स्थान के आधार पर

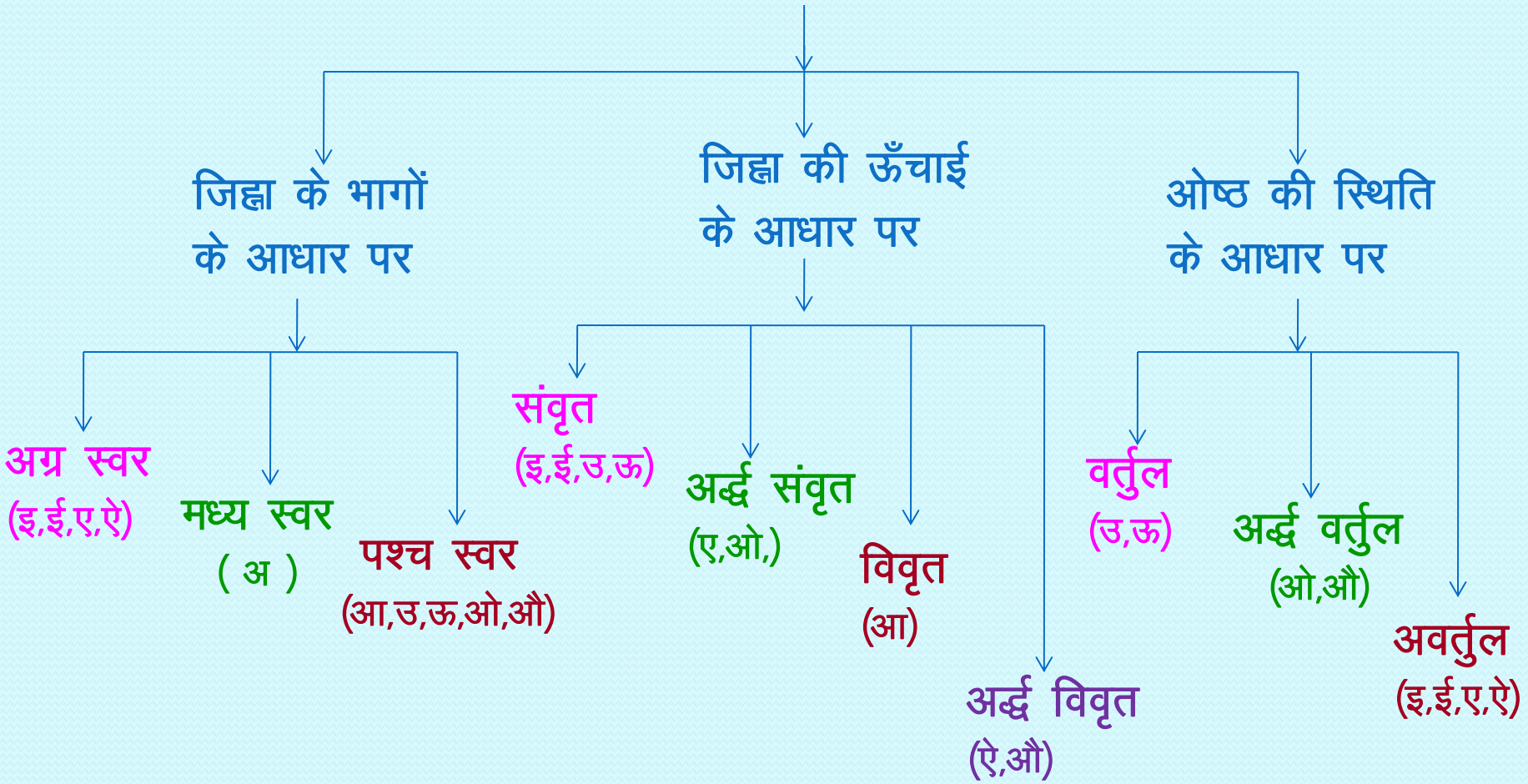

➢ जाति के आधार पर

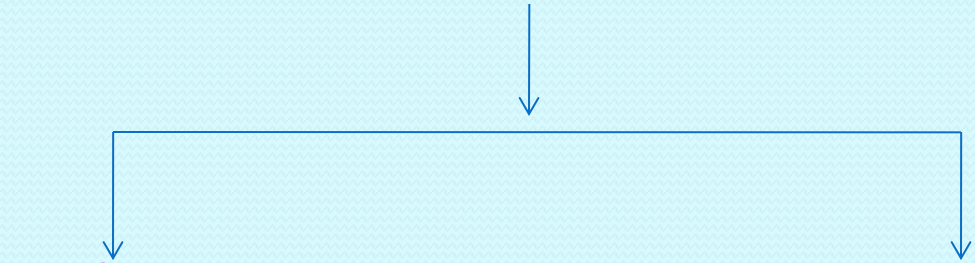

सवर्ण स्वर
(सजातीय स्वर)
(अ,आ,इ,ई,उ,ऊ)

असवर्ण स्वर
(विजातीय स्वर)
(अ+इ =ए, आ+ए =ऐ,
अ+उ =ओ, आ+ओ =औ)

धन्यवाद !

.....